

सम्पादकीय

एडवोकेट
हरेश पंवारContact No.
9983040937मैं बोलूंगा तो फिर
कहोगे कि बोलता है‘हुनर की उड़ान : जिम्मेदारी, लगन और मेहनत
की आग में तपकर ही चमकता है इंसान’

यह अक्सर कहा जाता है कि ‘जहां लगन और मेहनत हो, वहां हुनर अपने आप रास्ता बना लेता है।’ यह कथन केवल प्रेरणादायक पंक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा सत्य है। संसार में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो, जिसके भीतर कोई हुनर न हो। फर्क बस इतना है कि किसी का हुनर समय और परिस्थितियों के कारण छुपा रह जाता है, तो किसी का हुनर परिश्रम, जिम्मेदारी और लगन के कारण छप जाता है—दुनिया के सामने आ जाता है। हुनर जन्म से मिलता है, लेकिन उसे पहचान दिलाने का काम मेहनत और जिम्मेदारी करती है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज के दौर में हम अक्सर सफल लोगों को देखकर यह मान लेते हैं कि उनमें कुछ ‘असाधारण’ था, जो आम लोगों में नहीं होता। जबकि सच्चाई यह है कि असाधारण कुछ नहीं होता, असाधारण बनता है व्यक्ति का दृष्टिकोण, उसका अनुशासन और उसकी निरंतर मेहनत। हुनर तो हर व्यक्ति के भीतर बीज की तरह मौजूद होता है, लेकिन वह बीज तभी वृक्ष बनता है जब उसे जिम्मेदारी की मिट्टी, लगन का पानी और मेहनत की धूप मिलती है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि ‘जहां लगन और मेहनत हो, वहां हुनर अपने आप रास्ता बना लेता है।’ यह पंक्ति केवल प्रेरणादायक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का वह सूत्र है, जिसे समझ लेने वाला व्यक्ति परिस्थितियों का मोहताज नहीं रहता।

समाज में अक्सर यह भ्रम फैला रहता है कि कुछ लोग जन्म से ही प्रतिभाशाली होते हैं और कुछ नहीं। जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। हुनर किसी एक वर्ग, जाति, क्षेत्र या परिवार की बंपोती नहीं है। हुनर तो हर इंसान के भीतर मौजूद होता है, फर्क केवल इतना है कि किसी का हुनर छुपा रह जाता है और किसी का हुनर दुनिया के सामने छप जाता है। हुनर के छुपने और छपने के बीच की दूरी को यदि मापा जाए, तो उसके बीच चार मजबूत स्तंभ खड़े दिखाई देते हैं—जिम्मेदारी, लगन, मेहनत और ईमानदारी। इन चारों के बिना हुनर केवल एक संभावना बनकर रह जाता है। जैसे बीज यदि मिट्टी में पड़ा रहे और उसे पानी, धूप व देखभाल न मिले, तो वह कभी वृक्ष नहीं बन सकता, वैसे ही हुनर भी बिना इन गुणों के विकसित नहीं हो पाता।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर/बीकानेर।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बुधवार को जयपुर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से मुलाकात की। गोदारा ने कोटगेट एवं सांखला रेलवे फाटकों पर आर्युबी निर्माण के लिए पूर्व में जारी स्वीकृत राशि में वृद्धि करते हुए संशोधित स्वीकृति तथा लालगढ़ रेलवे क्रॉसिंग निर्माण के लिए शेष राशि में से 10 करोड़ रुपए जारी करने का आग्रह किया। वहीं

बीकानेर
के विकास में धन
और संसाधनों की
नहीं आने दी
जाएगी कमी

स्टॉर्म/ड्रेन जल संग्रहण बिंदुओं के स्थाई समाधान के लिए कार्यवाही करने की बात भी रखी। श्री गोदारा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं पर सकारात्मक कार्यवाही का विश्वास दिलाया और कहा कि बीकानेर में सुविधाओं में विकास के लिए धन और संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। खाद्य मंत्री ने मुख्यमंत्री को बताया कि बजट घोषणा वर्ष 2025-26 में बीकानेर शहर में कोटगेट और सांखला रेल फाटक पर आर्युबी निर्माण के लिए 35 करोड़ (कोटगेट रेलवे फाटक के लिए 10 तथा सांखला फाटक के लिए 25 करोड़) रुपए की स्वीकृति दी गई। वर्तमान में बीकानेर विकास प्राधिकरण द्वारा फाटक पर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए मुआवजा राशि प्राप्त होने के बाद ही गजट नोटिफिकेशन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दोनों आर्युबी निर्माण के लिए 57 करोड़ रुपए की आवश्यकता है।

इसके मद्देनजर गोदारा ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया



रेलवे क्रॉसिंग निर्माण के लिए दस करोड़ जारी करने का किया आग्रह

खाद्य मंत्री ने मुख्यमंत्री को बताया कि लालगढ़ रेलवे क्रॉसिंग निर्माण कार्य के लिए रुडसीको द्वारा कुल 82.10 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई थी। इस स्वीकृति में रेलवे और राजस्थान सरकार की पचास-पचास प्रतिशत हिस्सेदारी है। राज्य सरकार द्वारा अब तक लगभग 25.68 करोड़ रुपए प्राप्त हो गए हैं तथा लगभग 16.62 करोड़ रुपए प्राप्त होना शेष है। इस संबंध में उन्होंने आग्रह किया कि राज्य सरकार के हिस्से की बकाया राशि में से 10 करोड़ रुपए प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत किए जाएं, जिससे रेलवे क्रॉसिंग का निर्माण शीघ्र पूर्ण किया जा सके।

पूर्व में स्वीकृत 35 करोड़ के अतिरिक्त 22 करोड़ (कोटगेट रेलवे फाटक के लिए 7.14 तथा सांखला फाटक के लिए 14.86 करोड़) रुपए की संशोधित

स्वीकृति जारी करवाई जाए, जिससे शहर की वर्षों पुरानी समस्या का निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान की जा सके।

जल संग्रहण बिंदुओं के स्थाई
समाधान पर की चर्चा

गोदारा ने बताया कि वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा में शहर के स्टॉर्म/ड्रेन जल संग्रहण बिंदुओं के स्थाई समाधान के लिए 100 करोड़ रुपए की राशि की घोषणा की गई थी। वर्तमान में नगर निगम द्वारा शहर के समग्र डीपीआर कम ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार किया है। इसकी कुल अनुमानित लागत 222.38 करोड़ रुपए है। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए प्रथम चरण में मार्च 2025 में 59 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। गोदारा ने बताया कि इस वित्तीय स्वीकृति के तहत 67.67 करोड़ रुपए की निविदा आमंत्रित की गई। वर्तमान में कार्यदिश जारी करने से पूर्व वित्तीय स्रोतों के निर्धारण के लिए उक्त पत्रावली वित्त विभाग के विचाराधीन है। उन्होंने इससे संबंधित स्वीकृति प्राथमिकता से दिलवाने का आग्रह किया, जिससे यह कार्य पूर्ण होने से स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी समस्या का स्थाई समाधान हो सके। उल्लेखनीय है कि खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने 26 दिसम्बर को कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली थी। इस दौरान उन्होंने शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों की वर्तमान स्थिति के बारे में जाना और क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को दूर करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक में आए महत्वपूर्ण बिंदुओं के संबंध में उन्होंने जयपुर में मुख्यमंत्री से चर्चा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं के संबंध में सकारात्मक कार्यवाही का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि बीकानेर के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

आप सभी को

नववर्ष

की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएंनया साल आप सभी के जीवन में उत्साह,
उमंग और खुशहाली लेकर आये...Happy
New
Year

2026

MD

स्कूल चिड़ावा

GROUP OF EDUCATION

MR. SUNIL DANGI

Founder@mdgroupofeducation



नव वर्ष 2025

विश्वभर में नया साल मनाने का तरीका भी अलग-अलग है। सभी धर्मों में नया साल एक उत्सव की तरह अलग-अलग अंदाज में अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाया जाता है। दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है। ईसाई वर्ष 1 जनवरी से शुरू होकर 31 दिसंबर तक 12 महीनों में बंटा हुआ है। खास बात यह है कि भले ही दुनिया के सभी धर्मों के रीति-रिवाज अलग-अलग हों लेकिन 1 जनवरी को सभी देशों में नए साल की धूम रहती है। विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है।

क्या है न्यू ईयर की कहानी?

हजारों साल पहले प्राचीन बेबीलोन में न्यू ईयर की शुरुआत हुई थी। परंतु उस समय नव वर्ष का यह उत्सव 21 मार्च को मनाया जाता था जो कि वसंत के आगमन की तिथि थी। जो हिन्दुओं का नववर्ष है। ग्यारह दिनों तक चलने वाले पर्व के रूप में यह वसंत ऋतु के पहले दिन से शुरू होता था। इसीलिए सितंबर सातवां, अक्टूबर आठवां, नवंबर नौवां और दिसंबर दसवां महीना माना जाता था। जैसा कि इनके नामों से स्पष्ट होता है। यह गणना रोमन कैलेंडर के अनुसार किया जाता था जो सातवीं शताब्दी बीसी से शुरू हुआ और यह चन्द्रमा के चक्र के मुताबिक था। रोमन कैलेंडर अटकलबाजी के बलबूते बनाया गया था। जो 1 मार्च से शुरू होता था। तब एक साल में 304 दिन और कुल 10 महीने हुआ करते थे। मार्च से लेकर दिसम्बर तक, इन महीनों के नाम इस तरह थे मर्सिअस, एप्रिलिस, मेषास, जूनियस, कुड्निलिस, सेक्सटिलिस, सेप्टेम्बर, ओक्टोबर, नोवेंम्बर, और डिसेम्बर।लेकिन सन 1570 के आसपास पोप ग्रेगरी XIII ने क्रिस्टोफर क्लेवियस को एक नया कैलेंडर बनाने का जिम्मा सौंपा। इस तरह सन 1582 में ग्रेगोरियन कैलेंडर अस्तित्व में आया। तब से पूरी दुनिया में नए साल का उत्सव बदस्तूर 1 जनवरी को मनाया जाता है।

न्यू ईयर पर अमेरिका की बॉल ड्रॉपिंग परंपरा

वैसे तो विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है परंतु अमेरिका में यह उत्सव अलग तरीके से मनाया जाता है। यहाँ का 'बॉल ड्रॉपिंग' दुनिया का सबसे मशहूर बॉल ड्रॉपिंग कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर के टाइस स्वायर पर न्यू इयर्स ईव की मध्यरात्रि को होता है। इससे पहले डाउनटाउन मैनहट्टन के ट्रिनिटी चर्च के घंटे को सुनने के लिए आधी रात में लोग जमा होते थे। द न्यूयॉर्क टाइस ने सन 1904 में जन मानस को आकर्षित करने के लिए न्यूयॉर्क टाइस की ईमारत पर जोरदार आतिशबाजी की। इससे लोग आकर्षित तो हुए लेकिन पटाखों के कारण सड़कों पर गरम राख और पटाखों के टुकड़ों की बरसात हुई जो कि हानिकारक होने के साथ कचरा जमा होने का भी कारण बना इन्हीं वजहों से न्यूयॉर्क पुलिस ने वहां आतिशबाजी करने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया। तब न्यूयॉर्क टाइस के मालिक एडोल्फ ऑस ने अपने चीफ इलेट्रिशियन वॉल्टर पाल्मर को नया रास्ता निकालने के लिए कहा। पाल्मर के डिजाइन के आधार पर ऑस ने आर्टक्राट स्ट्रॉस साइन कंपनी को लगभग 318 किलो की लोहे व लकड़ी से निर्मित और 25 वाट के 100 बल्बों से जड़ित बॉल बनाने की जिम्मेदारी दी। इस बॉल को पहली बार इलेट्रिसिटी का उपयोग कर सन 1908 के बॉल ड्रॉपिंग में प्रयोग किया गया।

भारतीय नव वर्ष

ग्रेगोरियन कलेंडर का अनुसरण वैसे तो पूरी दुनिया में हो रहा है लेकिन विभिन्न देशों में वहां की संस्कृति के अनुसार भी नया साल मनाने की परंपरा है। भारत में तो विभिन्न धर्म व संप्रदाय एक साथ रहते हैं। इन धर्मों व संप्रदायों के कैलेंडर भी अलग-अलग हैं अतः इनके नव वर्ष की तिथियां भी अलग-अलग होती हैं। हिंदू नववर्ष की बात करें तो यह चैत्र माह की शुल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है जो कि अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के अनुसार मार्च-अप्रैल माह में पड़ता है।



लीजिये, हंस्ता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को मगता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पड़ों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुकहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूलिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हो, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है। लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते हैं, जैसे कोई दारु पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है। लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नजर आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना ? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी।

अपनी कमाई और खर्चों का लेखा-जोखा रखें -

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्च व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरूर रखना चाहिए. एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्च का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो. हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चों को दृष्टिग्राह्य कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्च न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चों को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें -

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है. इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गॉड बॉध लीजिए कि आप अपनी पुरानी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे. आपका समय-प्रबंधन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे. अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टेन करें -

टी.वी. के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसकी सारी विवरण, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सजा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कुदें इत्यादि। गलती को दोहराने पर सजा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार



नववर्ष को जिन्दगी का सबसे बड़ा वर्ष कैसे बनाये ?

अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरें -

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें. समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

कील-तार-सीमेण्ट-क्रांक्रीट से करें मुक्त -

आपने देखा होगा की कई बार कई पेड़ - पौधे तार व अन्य चीजो से दब जाते है या उनके ऊपर किसी सामान का बोझ लदा रहता है जिस कारण वह पौधे या तो टूट जाते है या उनका विकास नहीं हो पाता. इसलिए हर दिन लेखा-जोखा रखें कि आज आसपास या आपके घर से दूर कितने पेड़ों से आपने कीलें निकालीं, उनसे तार हटाये, उनका दम घोट रही क्रांक्रीट अथवा सीमेण्ट को दूर किया. इसके लिये अपने पास प्लायर, कैंची, लौहे की छोटी-सी राड, खुरपी इत्यादि का एक पैकेट रखें जो अन्य कई कार्य भी आयेगा।

जीव जन्तुओं की सेवा की साप्ताहिक रिपोर्ट कार्ड -

अपनी आँखों को खुला रखकर घर से बाहर निकलें, जहाँ भी कोई पशु-पक्षी घायल, भूखा-प्यासा या अन्य किसी भी प्रकार से रोगी व जरूरतमंद लगे तुरंत रुककर उसे सहायता पहुँचायें, आवश्यकता पड़ने पर खुद ट्राली या ऑटो की व्यवस्था करवाकर उसे चिकित्सालय पहुँचायें. उसकी निगरानी करें व जरूरत पड़ने पर डाक्टर इत्यादि को बुलवाने का भी ख्याल रखें। वैसे भी ये कार्य करने में उतने कठिन नहीं होंगे परन्तु यदि पैसो से जुड़ी जैसी कोई समस्या या अन्य कोई बात आड़े आये तो भी परिचितों व अपरिचितों से सहायता माँगने में संकोच न करें।

बीज व वृक्षारोपण करें -

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपात, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरुद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पुछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें. आपके द्वारा की गयी यह पहल आपके पुण्य तो बढ़ायेगी ही, साथ में हरियाली बढ़ाने के साथ सौहार्द बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभायेगी. यदि वृक्ष सुरक्षा-कवच बनाना हो तो तीन-चार मजबूत डण्डे, बाँस, पुरानी पड़ी राडस गड़ाकर.. टोंककर या गड्डे खोदकर व रस्सियाँ या बेर-बबूल के काँटों से आप बड़ी आसानी से यह भी कर सकते हैं।

बिना स्वार्थ के कर्म करें -

स्वार्थ या अपने कुल-कुटुम्ब के लिये तो कृता भी बहुत कुछ कर ही लेता है परन्तु निःस्वार्थ भाव से या परायों के लिये, पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों, अनाथों-बूढ़ों, अपरिचितों इत्यादि के लिये कुछ किया हो तो भगवान् को लगे कि आपको मानव जन्म प्रदान करना सार्थक हो रहा है. इस बात को समझने के लिए आप हमारा जीवन की सार्थकता के 41 मार्ग यह आर्टिकल जरूर पढ़ा जा सकता है। उपरोक्त सम्पूर्ण डाटाबेस हर दिन के आधार पर तैयार करना है, यह नहीं कि भूल गये या बाद में लिखेंगे। नया साल चाहे जब आये, आप तो अभी से आरम्भ करें, शुभस्य शीघ्रम् ! श्रीगणेश करें...



अंग्रेजी नववर्ष का भारतीयकरण

अंग्रेजी या ईसाई नववर्ष दुनिया के उन देशों में मनाया जाता है जिन पर कभी अंग्रेजों ने राज किया था। हर देश अपने इतिहास और मान्यताओं के अनुसार नव वर्ष मनाता है। भारत में प्रायः सभी संवत्सर चैत्रा शुल प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका और ब्रिटेन का वर्षस्व दुनिया में बढ़ गया। इन दोनों के ईसाई देश होने से कई अन्य देशों में भी ईसाई वेशभूषा, खानपान, भाषा और परंपराओं की नकल होने लगी। भारत भी इसका अपवाद नहीं है।

एक बार फिर एक जनवरी आएगी। हर बार की तरह समाचार माध्यमों ने वातावरण बनाना प्रारंभ कर दिया है। 31 दिसंबर की रात और एक जनवरी को दिन भर शोर-शराबा होगा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई लेंगे और देंगे। सरल मोबाइल संदेशों (एसएमएस) के आदान-प्रदान से मोबाइल कंपनियों की चांदी कटेंगे। रात में बारह बजे लोग शोर मचाएंगे। शराब, शवाब और कवाब के दौर चलेंगे। इसके अतिरिक्त और भी न जाने लोग कैसी-कैसी मूर्खताएं करेंगे जरा सोचिये, नये दिन और वर्ष का प्रारंभ रात के अंधेरे में हो, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है।

यह बात आज तक समझ में नहीं आई कि यदि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसंबर को हुआ था तो जिस वर्ष और ईसवी को उनके जन्म से जोड़ा जाता है, उसे एक सप्ताह बाद एक जनवरी से क्यों मनाया जाता है। वस्तुतः ईसा का जन्म 25 दिसंबर को नहीं हुआ था। चौथी शती में पोप लाइबेरियस ने इसकी तिथि 25 दिसंबर घोषित कर दी, तब से इसे मनाया जाने लगा। तथ्य तो यह भी है कि ईसा मसीह के जीवन के साथ जो प्रसंग जुड़े हैं, वे बहुत पहले से ही योरोप के अनेक देशों में प्रचलित थे। उन्हें ही ईसा के साथ जोड़कर एक कहानी गढ़ दी गयी। इससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि ईसा नामक कोई व्यक्ति हुआ ही नहीं वरना यह कैसे संभव है कि जिस तथ्याकथित ईश्वर के बेटे के दुनिया में अरबों लोग अनुयायी हैं, उसकी ठीक जन्म-तिथि ही पता न हो। जैसे भारत में 'जय संतोषी मां' नामक फिल्म ने कई वर्ष के लिए एक नयी देवी को हृद्यतिष्ठित कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी ईसा मसीह की भी है

इसके दूसरी ओर भारत में देखें तो लाखों साल पूर्व हुए श्रीराम और 5,000 से भी अधिक वर्ष पूर्व हुए श्रीकृष्ण ही नहीं तो अन्य सब अवतारों, देवी-देवताओं और महामानवों के जन्म की प्रामाणिक तिथियां सब जानते हैं और उन्हें हर वर्ष धूमधाम से मनाते भी हैं। लेकिन फिर भी नव वर्ष के रूप में एक जनवरी प्रतिष्ठित हो गयी है, लोग इसे मनाते भी हैं, इसलिए मेरा विचार है कि हमें इस अंग्रेजी पर्व का भारतीयकरण कर देना चाहिए। इसके लिए भविष्य में निम्न कुछ प्रयोग किये जा सकते हैं। एक जनवरी को अपने गांव या मोहल्ले में भगवती जागरण करें। अपने घर, मोहल्ले या मंदिर में श्रीरामचरितमानस का अखंड पारायण प्रारंभ करें। एक जनवरी को प्रातः सामूहिक यज्ञ का आयोजन हो।

एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफेरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रातः बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुष्ठ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचना प्रारंभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबकि अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डूबोकर चरित्राहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुणों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका भारतीयकरण कर मनाएं।





लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर राहगीरों को पिलाया केसरिया दूध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंधाना।

में रहने वाले परिवारों के साथ त्यौहार मनाते आए हैं तथा बरसात के मौसम में जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट भी बांटे जाते हैं ट्रस्ट का मुख्य कार्य है कि सरकारी

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सिंधाना द्वारा नववर्ष की पूर्व संध्या पर दूध महोत्सव का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय पांडे रहे अध्यक्षता महावीर यादव ठेकेदार ने की कार्यक्रम में अतिथियों ने राहगीरों को केसरिया दूध पिलाया गया ट्रस्ट प्रभारी नरेंद्र स्वामी ने बताया लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा शराब से नाता तोड़ो दूध से नाता जोड़ो के तहत नव वर्ष की पूर्व संध्या पर दूध महोत्सव मनाया गया है जिसमें राहगीरों को यह संदेश दिया गया कि नव वर्ष के उपलक्ष में शराब को छोड़कर दूध से नाता जोड़ना चाहिए जिससे आने वाली संस्कृति को भी एक संदेश मिले साथ ही ट्रस्ट प्रभारी ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा सनातन धर्म के त्यौहारों पर भी समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित करते हैं जिसमें विशेष कर दीपावली व होली पर झुण्गी झापड़िया



योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा विशेष कर दिव्यांग जनों की समस्याओं को सरकार के सम्मुख रखकर कार्य करवाना इस मौके पर मुन्ना राजोरा सुरेश बागड़ी संतोष सैनी सज्जन स्वामी राधेश्याम जागिड़ नरेश राजोरा सख्तिर खान राजेश परवेन्द सत्यनारायण हेमंत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ जनजागरण अभियान का संकल्प लेकर विद्यार्थियों को योग के बारे में सजग किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । भारत निर्माण युवा दल की ओर से ओम इंटरनेशनल स्कूल शोभापुर में बुधवार को नशे की खिलाफ दल के संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा वर्तमान सीएम नायब सैनी के ओएसडी रहे अभिमन्यु राव ने विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस मौके पर कर्मचारी नेता नरसिंह सैनी व स्कूल के प्राचार्य विकास चौधरी ने भी नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। नव वर्ष के आगमन पर नशे के खिलाफ जनजागरण अभियान का संकल्प लिया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों को योग के बारे में सजग किया। सकारात्मक सोच व हंसमुख रहने से व्यक्ति की कार्यक्षमता बढ़ती है। अपने टारगेट निर्धारण कर आगे बढ़ें, सफलता अवश्य मिलेगी। नशा व्यक्ति के जीवन को खराब करता है, इसलिए नशे से दूर रहें।



कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराना। उन्होंने कहा कि नशा ने केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज

को भी कमजोर करता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने और दूसरों को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया। अभिमन्यु राव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक,

मानसिक और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा देश का भविष्य है और यदि युवा नशे की गिरफ्त में आ गया तो समाज और राष्ट्र दोनों कमजोर होंगे। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे नशे से दूर रहें, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। आगे अभिमन्यु राव ने यह भी कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इसलिए सभी को मिलकर इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। गोष्ठी में विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा नारे भी लगाए। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु संकल्प लिया। अंत में प्राचार्य विकास चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया और छात्रों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया।

HAPPY

New Year

2026

नवीन चेतना, उमंग और नए उत्साह के साथ आप सभी को

नववर्ष

की अनेकानेक शुभकामनाएँ

नया साल आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए।

राजेश ढहिया

विधायक प्रत्याशी
पिलानी विधानसभा

जिला महामंत्री
भाजपा, झुंझुनू

rajeshdahia

पटवारी भर्ती परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी: नए साल में 3705 पदों पर मिलेगी नियुक्ति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

नए साल से पहले राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पटवारी भर्ती परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही प्रदेश में 3 हजार 705 पदों पर पटवारियों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। पटवारी भर्ती परीक्षा 17 अगस्त 2025 को हुई थी, जिसमें 6 लाख 72 हजार 11 उम्मीदवारों ने एग्जाम दिया था। बोर्ड ने 3 दिसंबर 2025 को पटवारी भर्ती परीक्षा का प्रोविजनल रिजल्ट जारी किया था, जिसके आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया था।



3705 अभ्यर्थियों को पटवारी पद पर मिलेगी नियुक्ति

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया 8 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक चली। इस दौरान अभ्यर्थियों के शैक्षणिक दस्तावेज, आरक्षण से जुड़े प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी कागजातों की जांच की गई। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अब बोर्ड ने फाइनल मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से जारी सूची के अनुसार 3 हजार 705 अभ्यर्थियों को पटवारी पद पर नियुक्ति दी जाएगी। सिलेक्ट उम्मीदवार अगले साल प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पटवारी के पद पर कार्यभार संभालेंगे। पटवारी भर्ती का अंतिम परिणाम जारी होने से न केवल

अभ्यर्थियों को राहत मिली है, बल्कि, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में राजस्व व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति होने से भूमि रिकॉर्ड, राजस्व कार्य और जनसेवाओं में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। बोर्ड की ओर से अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट और आगे की प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से चेक करते रहें। सिलेक्ट उम्मीदवारों को जल्द ही नियुक्ति से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

9वीं नेशनल गतका सीनियर चैंपियनशिप में विवेकानन्द पब्लिक स्कूल चिड़ावा की कोच लीना विक्रम सिंह ने जीते दो मेडल



भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

मण्डेला रोड स्थित विवेकानन्द पब्लिक सेकेंडरी स्कूल, चिड़ावा की गतका कोच लीना विक्रम सिंह ने 9वीं सीनियर नेशनल गतका चैंपियनशिप-2025 में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय, क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 27 से 30 दिसंबर 2025 तक चंडीगढ़ स्थित रतनारा साहिब गुरुद्वारा में आयोजित की गई, जिसमें देशभर से खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में लीना विक्रम सिंह ने राजस्थान की टीम से खेलते हुए सीनियर वर्ग में दो रजत पदक जीते। गतका डेमोस्ट्रेशन इवेंट में रजत पदक व गतका सिंगल सोलो फाइट इवेंट में भी रजत पदक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया विवेकानन्द स्कूल द्वारा संचालित विवेकानन्द स्पोर्ट्स स्कूल की तरफ से मन्त सैनी, धीरज कुमार ने भी भाग लिया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आज विद्यालय परिसर में उनका भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय की सचिव श्रीमती कोशी सैनी ने उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी ने कहा कि लीना विक्रम सिंह की यह उपलब्धि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और इससे पारंपरिक मार्शल आर्ट 'गतका' को नई पहचान मिलेगी। विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी।

NOBLE EDUCATION GROUP, DEOLAWAS

समस्त अभिभावकों,
विद्यार्थियों व
क्षेत्रवासियों को

नववर्ष 2026

की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

- 01) नोबल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवलावास, बुहाना
- 02) नोबल चिल्ड्रन एकेडमी, बुहाना
- 03) नोबल ब्योज हॉस्टल, बुहाना
- 04) नोबल पी.जी (गर्ल्स) कॉलेज, बुहाना
- 05) नोबल हॉस्टल गर्ल्स देवलावास, बुहाना
- 06) नोबल साइंस एकेडमी, पचेरी कलां

Engg. Sandeep Nehra

M.Sc., (Gold Medalist)
M.Tech. (Mining), Ex-Mining Engg.





इंस्पेक्टर रोहतास खटाना 35 साल के बाद सेवानिवृत्त; विजय सोमाणी समारोह में शरीक हुए, खटाना ने गुर्जर भवन के लिए 1 लाख रुपये दिए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । महेन्द्रगढ़ जिले के ग्राम कारोली में नववर्ष की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय नवचेतना मंच द्वारा एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोहतास खटाना 35 सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए उसके बाद अपने पैतृक गांव कारोली में अनेक गणमान्य लोग समारोह में शामिल हुए। जिनका रेवाड़ी से लेकर नारनौल तक विभिन्न स्थानों पर स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं जननेता विजय सोमाणी, वीर गुर्जर विकास समिति के प्रधान प्रोफेसर रामनिवास चंदेला, पूरण सिंह गुर्जर, सरपंच सहीराम, बसीरपुर के सरपंच अमित, मारोली के सरपंच भीम सिंह, चंद्र प्रकाश एडवोकेट, स्वामी सुखानंद एडवोकेट, कुलदीप भरगढ़, सहित के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर रोहतास सिंह खटाना जो लंबे समय तक विजय सोमाणी की सुरक्षा में तैनात रहे। इस दौरान उनके सम्मान में



एक भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह में आसपास के दर्जनों गांवों से आए ग्रामीणों के अलावा जिला पार्षद, सरपंच, ब्लॉक समिति सदस्य एवं विभिन्न

राजनीतिक दलों से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। सभी वक्ताओं ने इंस्पेक्टर रोहतास सिंह के सेवाकाल की मुक्त कंठ से सराहना की। उनकी 35 साल के

सेवाकाल को याद किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि इंस्पेक्टर रोहतास सिंह ने अपने पूरे सेवाकाल में जहां भी कार्य किया, वहां ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। ऐसे अधिकारी ही पुलिस विभाग की सच्ची पहचान होते हैं, जो शासन-प्रशासन और आमजन के बीच सकारात्मक समन्वय स्थापित करते हैं। इंस्पेक्टर रोहतास खटाना ने नांगल चौधरी गुर्जर भवन नांगल चौधरी के लिए 1 लाख रुपए दान किये। सेवानिवृत्त समारोह के दौरान साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं, वर्तमान राजनीति में पार्टी सिस्टम के कारण जनभावनाओं के पूरी तरह सामने न आ पाने, तथा नारनौल-रेवाड़ी-गुरुग्राम को एक जिला-शृंखला के रूप में विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक व विकासात्मक मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का समापन सामाजिक एकता, जनचेतना के प्रसार और नववर्ष में नई सोच व सकारात्मक संकल्प के संदेश के साथ किया गया।

युवा नेता बृजेन्द्र बिजारणियां के सुपुत्र अमनजीत सिंह ने लहराया सफलता का परचम, कामयाबी का लगया चौका

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, युवा नेता बृजेन्द्र बिजारणियां के सुपुत्र अमनजीत सिंह ने सफलता का परचम लहराते हुए कामयाबी का चौका लगाने में सफल रहे हैं। फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र के बीबीपुर बड़ा हाल सीकर निवासी बृजेन्द्र बिजारणियां के सुपुत्र अमनजीत सिंह ने पटवारी परीक्षा के घोषित परीक्षा परिणाम में सामान्य वर्ग में चयनित हुए हैं। इससे पूर्व अमन ने ग्राम विकास अधिकारी, जेलर परीक्षा व दूर संचार विभाग में सब इंस्पेक्टर परीक्षा उत्तीर्ण कर सफलता का चौका लगाने में कामयाब हुए हैं। अमन की सफलता पर पारिवारिक सदस्यों, शुभचिंतकों, समर्थकों व सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।



सेतों की कोठी स्थित श्री सीताराम वीर हनुमान मंदिर में पोष बड़ा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शिव टप मंडल सेतों की कोठी की ओर से गांव में स्थित श्री सीताराम वीर हनुमान मंदिर में पोष बड़ा कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों भगवान के दर्शन कर मंगल कामना की तथा प्रसाद ग्रहण किया। यहां यह उल्लेखनीय है कि शिव टप मंडल सेतों की कोठी के द्वारा विलुप्त होती संस्कृति को बचाने के साथ-साथ सामाजिक सेवकों में भी अपनी भूमिका निभाती आ रहे हैं साथ ही किसी भी दिन दुखी की मदद करने में आगे रहती है। मंडल को जो भी राशि इकट्ठी होती है वह सारी राशि मंदिरों एवं दान पुण्य के सेवा कार्यों में लगाई जाती है इस टीम में कोई भी कलाकार पेशेवर कलाकार नहीं है। मंडल के कलाकारों ने सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी व सरकारी कर्मचारी अपनी सेवा दे रहे हैं जो विलुप्त होती भारतीय संस्कृति को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।



दूध से नाता जोड़ो, नशे से नाता तोड़ो': लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने युवाओं को पिलाया केसरयुक्त दूध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने और भारतीय संस्कृति के अनुरूप स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, चिड़ावा द्वारा बुधवार शाम एक विशेष अभियान चलाया गया। अंग्रेजी नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर ट्रस्ट के सदस्यों ने युवाओं को केसरयुक्त गर्म दूध पिलाकर नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पार्षद राजेन्द्र पाल सिंह कोच, अमित सैनी गोलू राज दुल्हा हाऊस, समाजसेवी सुरेंद्र सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता महेश कटारिया आदि उपस्थित रहे। यह आयोजन जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया के नेतृत्व में किया गया। जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया ने अतिथियों को ट्रस्ट का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। ट्रस्ट के तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने बताते हुए कहा कि ट्रस्ट द्वारा पिछले 5 वर्षों से लगातार यह मुहिम चलाई आ रही है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य नव वर्ष के स्वागत के नाम पर होने वाली शराबखोरी और हुड़दंग को रोकना है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि अक्सर युवा पीढ़ी अंग्रेजी नव वर्ष की मध्य रात्रि तक नशा करके जश्न मनाती है, जो न केवल स्वास्थ्य के



लिए हानिकारक है, बल्कि समाज में विकृतियां भी पैदा करता है। इस अवसर पर 'दूध से नाता जोड़ो, शराब से नाता तोड़ो' के नारे के साथ युवाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं में राजेंद्र पाल सिंह कोच ने कहा कि दूध के सेवन से शरीर पुष्ट होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अमित सैनी गोलू ने कहा कि नशे के त्याग से परिवार और समाज में अपराध व दुर्घटनाओं में कमी आती है।

सुरेंद्र सैनी ने बताया युवाओं को अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों में लगानी चाहिए, न कि नशीले पदार्थों के सेवन में। ट्रस्ट की इस पहल की शहरवासियों ने जमकर सराहना की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार के आयोजनों से नई पीढ़ी को सही

मार्गदर्शन मिलता है। बुधवार शाम को आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया और स्वस्थ जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संतोष अरडावतिया ने किया। इस अवसर पर अशोक पुजारी, श्याम सुंदर शर्मा, प्रदीप पुजारी, अरूण दाधीच, प्रदीप नेहरा लाहिया स्कूल चिड़ावा, श्रीराम परिवार से सुनील शर्मा, पवन शर्मा नवहाल, कृष्ण स्वामी, सुरजीत सैनी, सी एस सुनील शर्मा, मुकेश पारिक, अमित लाटा, अमित चौटीया, मनीष शर्मा, राम अमृत वाणी से ओम प्रकाश ?जलेन्द्रा, राजकुमार जिसपाल, मुलचंद नरहडिया, पवन पाण्डे, रवि लावा, मुकेश शर्मा सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के समापन पर थिरके कदम शिक्षा जीवन में राष्ट्र सेवा भी जरूरी- डॉ. सिखवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे में स्थित श्री मनसा कन्या पीजी महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के समापन पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुरवाटी खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश भूषेश तथा विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद डॉ अनिता ओलखा व ग्राम विकास अधिकारी मीना जैफ रहे। महाविद्यालय सचिव डॉ कमल सिखवाल के द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई, महाविद्यालय निदेशक डॉ. ज्योत्सना सिखवाल द्वारा आंगुतुकों का स्वागत किया गया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ भावना शर्मा व महाविद्यालय प्रबंधक सुशील बिजारणियां के द्वारा महाविद्यालय परिवार की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों सम्मान किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना की



स्वयंसेविकाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। निदेशक डॉ ज्योत्सना सिखवाल के द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सचिव सिखवाल व मुख्य अतिथि भूषेश ने बताया कि शिक्षा के जीवन में ऐसे कार्यक्रमों का विशेष महत्व होता है ऐसी गतिविधियों का आयोजन होना जरूरी है, ताकि आगामी सदियों तक संस्कृति को जीवित रखा जा सके। मुख्य प्रवक्ता के रूप में डॉ अनिता ओलखा ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा

योजना जीवन का साकार बनाने का माध्यम है जो लक्ष्यों को ऊंचाई देता है इसलिए समर्पित भाव से आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रवक्ता सुरेश चौधरी, एनएसएस प्रभारी पवन वर्मा, विकास सैनी, राकेश सैनी, सुरेश खारडिया, मूलचंद गुर्जर, गजेंद्र सैनी, मोतीलाल सैनी, सुमन सैनी, अनिता सैनी, सुमन मील, कविता सैनी सहित सैकड़ों स्वयंसेविकाएं मौजूद रहे। कार्यक्रम संचालन सुरेश चौधरी द्वारा किया गया।

2026

Happy New Year

नववर्ष

की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नवल सिंह सिसोदिया

सरपंच (प्रशासक)

ग्राम पंचायत गजसुखदेसर

पंचायत समिति नोखा, बीकानेर

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

An English & Hindi Medium SMS School

UDAIPURWATI - 8306674949

लगातार हिन्दी माध्यम में मैरिट देने के बाद अब English Medium में भी

Class-X 2025

99.00%

नीतू यादव

पुत्री श्री बादुराम यादव

Class-X 2025

98.17%

जिन्नेश कुमार

पुत्र श्री दीपक कुमार

Class-X 2022

98.00%

विशाल सैनी

पुत्र श्री मुकेश कुमार सैनी

Class-X 2022

98.00%

पलक शाह

पुत्री श्री पुरुषोत्तम शाह

40 किलोमीटर तक वाहन सुविधा

2026

Happy New Year

नववर्ष

की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

LBS Kids Play School

Manage By:

Atul Kumar

INTERNATIONAL SR. SEC. L.B.S. SCHOOL

(A Prestigious Hindi & English Medium Co-Educational Residential School)

Director:

Suresh Kumar Jangir

गुंती रोड़, पचेरी बड़ी | Helpline No. 8209020308, 9413562241, 8209000294



विश्व भारती स्कूल में हार्दिक गजराज एवं माही झा का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंधाना।



विश्व भारती स्कूल, सिंधाना के कक्षा 12वीं कला वर्ग के छात्र हार्दिक गजराज एवं कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग की छात्रा माही झा तथा उनके माता-पिता का विद्यालय परिसर में मिठाई खिलाकर एवं माला पहनाकर सम्मान व अभिनंदन किया गया। संस्था के सचिव उपदेश यादव एवं रजनीश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि हार्दिक गजराज ने बोर्ड परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ CLAT 2026 में ऑल इंडिया ओबीसी वर्ग में 18वीं रैंक तथा AILET 2026 में ऑल इंडिया ओबीसी वर्ग में 6वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वहीं कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग की छात्रा माही झा ने भी बोर्ड परीक्षा

की तैयारी के साथ CHRIST University प्रवेश परीक्षा, जिसमें लिखित परीक्षा के साथ साक्षात्कार भी होता है, में 19वीं रैंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इन दोनों विद्यार्थियों की उपलब्धियों से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के निदेशक कृष्ण कुमार यादव ने दोनों विद्यार्थियों को उनकी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी नववर्ष की पूर्व संध्या पर सामाजिक चेतना एवं सकारात्मक संदेश देने हेतु 'दूध महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहकर भारतीय संस्कृति एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम ट्रस्ट के संरक्षक शिक्षाविद रामनिवास शर्मा, प्रकाश पासोरिया, गिरधारी लाल जाजोदिया, दीनदयाल जोशी, संजय जोशी, सुभाष जोशी, ओमप्रकाश जोशी, लक्ष्मणगढ़ थाना के सहायक उप निरीक्षक महेश स्वामी, उप निरीक्षक राजकुमार, महिपाल के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को संसदेश दिया गया कि नववर्ष का स्वागत नशे के साथ नहीं, बल्कि दूध, संस्कार और



भारतीय परंपराओं के साथ किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि 'शराब को छोड़ो, दूध से रिश्ता जोड़ो' केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज की दिशा में एक

सार्थक पहल है। नववर्ष पर नशे का त्याग कर दूध के साथ उत्सव मनाना, परिवार और समाज में खुशहाली व समृद्धि लाने का मार्ग प्रशस्त करता है। ट्रस्ट ने सभी से आह्वान किया कि

नववर्ष की शुरुआत मंदिर जाकर, बड़ों को प्रणाम कर, अच्छी आदतें अपनाकर तथा सकारात्मक संकल्पों के साथ की जाए। युवाओं को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाता है। आज की युवा पीढ़ी यदि नशे और पाश्चात्य कुप्रभावों से दूर रहकर भारतीय संस्कृति, सामाजिक सद्भाव और नैतिक मूल्यों को अपनाए, तो समाज स्वतः ही सशक्त बनेगा। कार्यक्रम में प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, पवन कस्वा, अमित सोनी, शशि प्रकाश कुमावत, नासिर तगाला, विजय कुमावत, राजेश कालु शर्मा, अरुण कुमावत, अंकित कुमावत, हर्ष मुरारका सहित ट्रस्ट के अनेक संरक्षक पदाधिकारी कार्यक्रमी नगर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

तलहनी फसलों की बेहतर उत्पादन तकनीकी के संबंध में दिया प्रशिक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनू।

जिले में तिलहनी फसलों की बेहतर उत्पादन तकनीकी हो इसके संबंध में बुधवार को जिले के झुंझुनू गांव में राष्ट्रीय तिलहन मिशन योजनान्तर्गत प्रशिक्षण शिविर किया गया। इस प्रशिक्षण में कई गांवों के प्रगतिशील तिलहन उत्पादक, कृषकों ने भाग लिया। गाहा प्रशिक्षण केन्द्र के उप निदेशक व प्रभारी उत्तम सिंह सिलायच ने मृदा की जांच व पोषक तत्वों की कमी के लक्षण तथा इनकी उपलब्धता तथा उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कृषकों से संवाद करते हुए कीटनाशी रसायनों के फसलों पर छिड़काव के समय सावधानी या रखने की जानकारी दी। कृषिक विज्ञान केन्द्र के कीट विज्ञान विषय विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र नागर ने सरसों की जिले के परिप्रेक्ष्य में कम पानी चाहने वाली किस्मों का उपयोग करने की सलाह दी। डॉ. नागर ने सरसों, तारामीरा, में लगने वाले टेटा/चेपा के नियंत्रण के



संबंध में भी आवश्यक रसायनों की मात्रा, छिड़काव का समय एवं तरीके के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण में वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक कृष्णा कटैया, सरिता ने कृषि एवं उद्यान विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान सहायक कृषि अधिकारी विजय सिंह कुलहरी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।



स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र में आपदा प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्युत विभाग के सेवानिवृत्त कनिष्ठ अभियंता विनोद शर्मा ने डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से करंट से बचने के विभिन्न उपायों पर चर्चा करते हुए स्वयंसेवकों को प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके साथ ही स्वयंसेवकों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब दिये। इससे

पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत विनोद शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ आनंद शर्मा व घनश्याम वर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। सुबह के सत्र में स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान किया गया। अंतिम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एकादशी पर कीर्तन कर भक्तों ने रिझाया बाबा श्याम को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां के श्याम सखा परिवार की ओर से एकादशी पर कीर्तन से श्याम बाबा को रूझाया। परिवार की ओर से 22वां मासिक पूनमचंद टेलर के निवास पर आयोजित कर श्याम बाबा की पावन ज्योति के साथ कीर्तन किया गया। श्याम सखा परिवार के पवन खाटूवाला ने बताया कि संगीत निर्देशक जयकांत खरादी की गणेश वंदना से मासिक एकादशी कीर्तन का शुभारंभ हुआ जिसमें पवन शर्मा निर्मल, गणेश नारनोली,



रामगोपाल रोडा, महेश रोडा, राकेश पारीक, मोनू मिश्रा, पुनीत पाराशर, हेमंत पाराशर, दीपक रोडा, हंसा कुमावत, दीपक सेनी व निखिल सेनी सहित अन्य युवा भजन गायकों ने बाबा के दरबार में श्रृंगार, गजरा व धमाल भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर दीनदयाल जोशी, गणपत मारवाल, मोहित मारवाल, धनराज मराठा, पूरण सिंह, बाबूलाल जागड़, सुमन पारीक, सुशील गौड़, अमित ढंड, कमल सेनी, राकेश नाडवाला, गोपी जाजोदिया आदि उपस्थित थे।

सभी क्षेत्रवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

- सेंट्रल एकेडमी स्कूल, गुढ़ागौड़जी
- मूंगेश्वरी देवी गोदारा महाविद्यालय, गुढ़ागौड़जी
- केजीआई संस्थान (एनजीओ)
- सेंट्रल अकादमी शिक्षा समिति



डॉ. हरिसिंह गोदारा

गोयनका मंदिर में हुआ न्यू ईयर संगीत कार्यक्रम



भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर

राज वर्मा। करबे के बुधवार को गोयनका मंदिर में नए साल के आगमन से पहले देर शाम लड़कियों और महिलाओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम किए गए। गोयनका मंदिर में सुबह योग शिविर में लड़कियां व महिलाएं योग शरीर में भाग लेती है उनके द्वारा कार्यक्रम प्रायोजित किया गया। जिसमें महिलाओं द्वारा डांस कंपटीशन सोशल गेम खेले गए। कार्यक्रम में करीब 150 लड़कियों और महिलाओं ने भाग लिया एंकर की भूमिका हेमलता शर्मा ने निभाई कार्यक्रम में नीलम इन्दौरिया, मिनाक्षी बियाला, अंजु माटोलिया, जया पाराशर, रेखा, ललितता, हेमलता, सुधीरा, कोशल्या बागड़ी, गायत्री बागड़ी सहित आदि महिलाएं व लड़कियां ने भाग लिया।

M.R.S PRANAMI SCHOOL CHIRAWA

की तरफ से समस्त अभिभावको, विद्यार्थियों व क्षेत्रवासियों को

Happy New Year

2026

नववर्ष



अरविंद दाधीच
(सचिव)

की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

नया साल आप सभी के जीवन में उत्साह, उमंग और खुशहाली लेकर आये...

संरक्षक:- बी.एल. शर्मा (एथलेटिक्स)



निदेशक
अनिल शास्त्री
दर्शनाचार्य



फिल्म हिट होने के बाद भी डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं करिश्मा

कुछ अभिनेत्रियों के लिए हिंदी सिनेमा या टीवी की दुनिया में आना आसान रहा, लेकिन कुछ को रंग, रूप और लंबी हाइट के लिए रिजर्वेशन का सामना करना पड़ा। उन्हीं में से एक हैं टीवी से लेकर फिल्मों में काम करने वाली करिश्मा तन्ना, जिन्हें अपनी लंबी हाइट की वजह से कई टीवी सीरियल में काम करने का मौका नहीं मिला। 21 दिसंबर को जन्मी करिश्मा तन्ना ने कभी नहीं सोचा था कि वो टीवी सीरियल या फिल्मों की तरफ रुख करेंगी। अभिनेत्री ने कॉलेज के समय अपने दोस्तों के कहने पर फोटोग्राफी के सेशन में भाग लिया। उनके दोस्तों ने करिश्मा की फोटोज को अलग-अलग जगह भेज दिया और फिर शुरू हुआ मॉडलिंग का सिलसिला। तन्ना को फोटोशूट और मॉडलिंग प्रोजेक्ट के फोन आने लगे और उन्हीं में से एक कॉल बालाजी प्रोडक्शन हाउस की तरफ से था। तन्ना को फोन कॉल के जरिए अपना पहला शो मिला और पहली बार में ही उन्हें सेलेक्ट कर लिया गया। करिश्मा को क्योंकि सास भी कभी बहु थी में देखा गया, जिसके बाद वे साल 2003 में टीवी सीरीज कोई दिल में है में नजर आईं। साल 2005 के टीवी शो एक लड़की अंजानी सी में उन्होंने निगेटिव रोल भी प्ले किया और फिर प्यार के दो नाम- एक राधा, एक श्याम का हिस्सा रहीं। टीवी में ठीक-ठाक काम करने के बाद, उन्होंने फिल्मों में काम ढूँढना शुरू किया, क्योंकि ज्यादातर सीरियल में वे साइड रोल में नजर आईं। फिल्मों में भी उन्हें छोटे और साइड रोल भी ऑफर हुए और पहचान बनाना मुश्किल हो गया। 2013 में आई ग्रेड मस्ती उनकी पहली फिल्म थी, जिसके बाद, टीना एंड लोलो और रणबीर कपूर की फिल्म संजु में नजर आईं। फिल्म संजु उनके करियर की सबसे हिट फिल्मों में से एक थी, लेकिन संजु करने के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो गया। 1 साल तक करिश्मा ने घर में समय काटा और डिप्रेशन का शिकार हो गईं। अभिनेत्री ने बताया था कि संजु में भी काम करना उनके करियर के लिए कारगर साबित नहीं हुआ क्योंकि 1 साल तक किसी ने काम नहीं दिया। उन्होंने कई प्रोडक्शन कंपनियों के पास फोन किया और काम की उम्मीद की, लेकिन हर जगह से हाथ खाली। उन्होंने बताया था कि उनके दोस्त भी इस इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं थे, इसलिए उनसे शेयर करना सही नहीं समझा, लेकिन फिर खुद को समझाने की कोशिश की और धीरे-धीरे डिप्रेशन से बाहर आने लगी। अब अभिनेत्री सीरीज में दिख रही हैं, और उन्हें आखिरी बार हश-हश नाम की सीरीज में पुलिसवाली के रोल में देखा गया।



सैफ अली खान

सैफ अली खान ने साल 1991 में अमृता सिंह से शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं, जिनके नाम इब्राहिम अली खान और सारा अली खान हैं। सैफ और अमृता 2004 में अलग हो गए। सैफ को दोबारा प्यार मिला। उन्होंने 2012 में करीना कपूर के साथ शादी की। उनके दो बच्चे हैं, तैमूर और जेह। सैफ-करीना बॉलीवुड के पावर कपल कहलाते हैं।



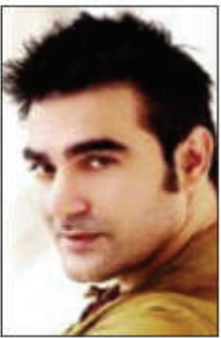
फरहान अख्तर

फरहान अख्तर ने साल 2000 में पहले हेयर स्टाइलिस्ट अधुना भवानी से शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं। शादी के कई वर्षों के बाद दोनों साल 2016 में एक दूसरे से अलग हो गए। फरहान को दोबारा अभिनेत्री शिबानी दांडेकर से प्यार हुआ। दोनों ने साल 2022 में शादी कर ली।



अरबाज खान

शादी के 19 साल के बाद अरबाज खान 2017 में मलाइका अरोड़ा से अलग हो गए। दोनों का एक बेटा अरहान खान है। अरबाज खान ने साल 2023 में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान के साथ शादी की। वहीं मलाइका अरोड़ा अब भी सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं।



सामंथा रुथ प्रभु से लेकर अदिति राव हैदरी तक, तलाक के बाद इन कलाकारों को दोबारा की शादी

बॉलीवुड के कई मशहूर कलाकार ऐसे हैं जिनकी पहले शादी हुई, फिर उनका तलाक हुआ। तलाक के बाद वह टूटे नहीं। वह करियर में आगे बढ़े उन्होंने अपने आपको मौका दिया और उन्हें दोबारा प्यार हुआ। अब यह कलाकार या तो शादीशुदा हैं या फिर किसी के साथ रिश्ते में हैं। आज हम उन्हीं कलाकारों के बारे में बात करेंगे।

सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु ने नागा चैतन्या से साल 2017 में शादी की थी। दोनों का साल 2021 में तलाक हो गया। पति से अलग होने के बाद सामंथा टूटी नहीं। उन्होंने अपनी जिंदगी को संभाला और तरक्की की। साल 2025 में उन्हें दोबारा प्यार हुआ। उन्होंने राज निदिमोरु से शादी की। उनका सफर उन लोगों के लिए सबक है, जो ब्रेकअप के बाद टूट जाते हैं।



दीया मिर्जा

दीया मिर्जा ने 2014 में साहिल सागा से शादी की थी लेकिन साल 2019 में दोनों अलग हो गए। तलाक के बाद दीया मिर्जा को दोबारा प्यार हुआ। उन्होंने कारोबारी वैभव रेखी से 2021 में शादी की। इसी साल उनको एक बच्चा भी हुआ, जिसका नाम अवयान आजाद रेखी है। दीया शादीशुदा जिंदगी बिता रही हैं और काम भी करती हैं।



ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने साल 2000 में सुजैन खान के साथ शादी की थी। साल 2014 में दोनों अलग हो गए। दोनों अपने बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। तलाक के बाद ऋतिक रोशन ने सबा आजाद को डेट करना शुरू किया। सुजैन भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं।

ममूटी ने किया अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान

मलयालम के सुपरस्टार ममूटी ने एलान किया है कि वह फिल्ममेकर खालिद रहमान के साथ एक नई फिल्म में एक साथ काम करेंगे। हाल ही में ममूटी ने फेसबुक पर इस बात की जानकारी दी है। अपकमिंग फिल्म क्यूब्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस की जाएगी।

ममूटी ने फेसबुक पर दी जानकारी

ममूटी ने फेसबुक पर एक पोस्ट साझा की। इसके साथ एक पोस्टर था। इस पर लिखा था ममूटी, खालिद रहमान, शरीफ मुहम्मद। इसके कैप्शन में लिखा है क्यूब्स एंटरटेनमेंट साथ अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट का एलान करते हुए खुशी महसूस कर रहा हूँ। इसका निर्देशन खालिद रहमान कर रहे हैं।

उंडा में साथ में किया काम

यह फिल्म एक्टर और फिल्ममेकर के बीच 2019 की फिल्म उंडा के बाद दूसरा कोलैबोरेशन भी होगा। इसमें ममूटी ने एक पुलिस की भूमिका निभाई थी। इसमें ईश्वरी राव, रंजीत, शाइन टॉम चाको, अर्जुन अशोकन और जैकब ग्रेगरी भी अहम भूमिकाओं में थे। ममूटी को आखिरी बार फिल्म कलमकवल में देखा गया था। ममूटी अभिनेता होने के साथ फिल्म निर्माता भी हैं। उन्होंने मलयालम सिनेमा के अलावा तमिल, तेलुगु,



हिंदी और कन्नड़ सहित अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है। 74 साल के अभिनेता ने 400 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। ममूटी ने अपने काम के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। इनमें तीन नेशनल फिल्म अवार्ड और पद्म श्री शामिल हैं।



कीर्ति सुरेश की रिवॉल्वर रीटा और राम पोथिनेनी की आंध्र किंग तालुका होगी ओटीटी पर रिलीज

सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद कुछ फिल्मों का बेसबी से ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार किया जाता है। अगले हफ्ते क्रिसमस है और अगर आप इस क्रिसमस पर मजेदार और कॉमेडी से भरी कुछ फिल्में देखना चाहते हैं, तो हम साउथ की दो बेहतरीन फिल्मों के बारे में जानकारी लेकर आए हैं, जो सिनेमाघरों में पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। हम बात कर रहे हैं रिवॉल्वर रीटा और आंध्र किंग तालुका फिल्म की। दोनों ही फिल्मों के दर्शकों से अच्छा रियास मिलाने हैं और अब ये दोनों ही फिल्में ओटीटी पर रिलीज होने वाली हैं। रिवॉल्वर रीटा नेटपिलव्स पर रिलीज होने वाली है। कीर्ति सुरेश स्टार रिवॉल्वर रीटा कॉमेडी और क्राइम दोनों को पर्दे पर अच्छे से दिखाती है। फिल्म की कहानी गैंगवार और परिवार को गुंडों से बचाने की कशमकश से शुरू होती है।

रिवॉल्वर रीटा की ओटीटी रिलीज डेट

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औरत रही। फिल्म ने एक हफ्ते में तकरीबन 4 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म का बजट भी बहुत कम है। अगर आपने ये फिल्म नहीं देखी है

तो ओटीटी पर 25 दिसंबर को देख सकते हैं। फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी।

आंध्र किंग तालुका ओटीटी पर कब आ रही है?



दूसरी एक्शन-कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है आंध्र किंग तालुका, जो 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब फिल्म को नेटपिलव्स पर 25 दिसंबर को रिलीज करने का फैसला लिया है। फिल्म में लीड रोल में राम पोथिनेनी, उपेंद्र और भाग्यश्री बोरसे हैं। फिल्म की कहानी और निर्देशन महेश बाबू पचिगोल्ला ने किया है। फिल्म की कहानी की बात करें तो इसकी कहानी सागर नाम के एक नौजवान युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सुपरस्टार आंध्र किंग सूर्या कुमार का बहुत बड़ा फैन है। अपने आइडल के प्रति दीवानगी के कारण, उसकी पूरी जिंदगी उस सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म को नेटपिलव्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।



अनुभव सिन्हा की दर्शकों को दो टूक नसीहत

बॉलीवुड को तुम बिन, रा.वन, मुल्क और थापाड़ जैसी बेहतरीन फिल्में देने वाले अनुभव सिन्हा अपनी सुपरहिट वेब सीरीज आईसी 814 के लिए भी जाने जाते हैं। वह इन दिनों अपने चल पिक्चर चले टूक के तहत देश के अलग-अलग शहरों में जाकर वहां के सिनेमा, खानपान और संस्कृति को समझ रहे हैं। इस यात्रा के बीच वह दिल्ली पहुंचे, जहां अनुभव सिन्हा ने अपनी इस यात्रा, सिनेमा बिजनेस और दिल्ली के छोले भटूरों के बारे में खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने गाढ़े-बगाहे दर्शकों को यह दो टूक नसीहत भी दे दी कि वह किसी फिल्म को सिर्फ इसलिए ना देखें कि वह बंपर कमाई कर रही है।

आजकल फिल्मों से ज्यादा उनकी कमाई की चर्चा होती है। इस बारे में क्या कहेंगे आप? इसकी शुरुआत भी हमने यानी बॉलीवुड ने ही की है।

हम खुद बताते हैं कि किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया है। अरे दर्शकों को उससे क्या मतलब है। उसे बस यह देखना है कि आपने अच्छी फिल्म बनाई है या नहीं। लेकिन हमने उसको बताना शुरू किया कि फलाना फिल्म का ओवरसीज का कलेक्शन इतना हो गया, ग्रांस कमाई इतनी हो गई, नेट कलेक्शन इतना हो गया या इतना हो गया। उस बेचारे की जिंदगी में पहले ही बहुत परेशानियां हैं। घर से काम पर जाना होता है, परिवार चलाना होता है, समोसे महंगे हो गए हैं और वो बेचारा उस सब को लेकर परेशान है। आप उसे और परेशान कर रहे हो। लेकिन अब यह सिस्टम ही ऐसा हो गया है कि मैं भी चाहूँ, तो इसे नहीं रोक सकता हूँ। आजकल बहुत अच्छा हो गया है कि साउथ की फिल्में हिंदी में चल रही हैं, हिंदी की फिल्में साउथ में चल रही हैं। आखिर यह एक देश ही तो है ना भाई। सिनेमा के बिजनेस में लोगों को इतना दिमाग नहीं लगाना चाहिए। आप बस पिक्चर देखिए, अच्छी लगी या नहीं लगी, बात खत्म। उसकी कमाई की चिंता आप मत करो। हर आदमी पिक्चर को, इंडस्ट्री को और उसके बिजनेस को समझने की कोशिश कर रहा है, जो कि सम्भव नहीं है। फिल्म का बिजनेस बाकी बिजनेस से बहुत अलग है, उसके लॉजिक बहुत अलग हैं।

आजकल आप नए-नए शहरों में जा रहे हैं। इससे पहले ऐसा नहीं देखा गया कि एक फिल्म डायरेक्टर देश के छोटे-बड़े शहर घूम रहा है। कोई खास वजह?

वो मेरी अपनी जरूरत है। मैं चाहता हूँ कि मैं जानूँ तो सही अपने समाज को जिसके लिए हम फिल्में बनाते हैं, जिसकी हम कहानियां कहते हैं। मैं कब से उन शहरों में गया ही नहीं था। यह ऐसा हो गया था जैसे एक पुराना दोस्त है, जिसको मैं 30 साल से मिला ही नहीं। बस जानते हैं, लेकिन बहुत समय से मिले नहीं। फिल्म इंडस्ट्री वालों पर आरोप लगते हैं कि उनका बॉलीवुड बस बांद्रा तक सीमित है। क्या आप उससे बाहर निकलने के लिए शहर-शहर घूम रहे हैं?

हमेशा से दर्शक उसी बांद्रा की फिल्मों ही तो पसंद कर रहे थे। वे उन्हें ही देखते थे और वे ही हिट होती थीं। ये सब बेकार की बातें हैं। क्या है ना आजकल बॉलीवुड को गाली देना बड़ा मजे का काम हो गया है। आपको देने में भी मजा आता है, पढ़ने और सुनने वाले को भी मजा आता है। हकीकत में फिल्म बनाना कोई आसान काम नहीं है। एक टापू से पूरे देश की जनता को समझाना, जो इतनी विविध है। फिर उन सब के पसंद

की फिल्म बनाना भी आसान काम नहीं है। हालांकि मैं यह नहीं कह रहा कि हमारी तरफ से कोई खामी नहीं है, हमारी तरफ से भी कुछ कमियां तो हुई हैं। यहां सभी लोग चाहे प्रोडक्शन हाउस हों, डायरेक्टर, राइटर और प्रोड्यूसर फिलहाल सब फायर फाइटिंग मोड में यही समझने की कोशिश कर रहे हैं कि कैसे दर्शक और फिल्मों के बीच गैप कम हो। बॉलीवुड पर ही पूरी तरह से आरोप लगाना भी ठीक नहीं है। आजकल समाज बहुत तेजी से चेंज हो रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में डायरेक्टर अगर कुछ चीजें चेंज करता है, तो उसका असर दिखने में साल-डेढ़ साल लगता है। पूरा बॉलीवुड समझ रहा है और उस गैप को कम करने की कोशिश भी हो रही है।

आपकी फिल्म तुम बिन आज भी याद की जाती है। ऐसी फिल्में कैसे बनती थीं, इसका कोई फॉर्मूला आपके पास है?

नहीं, ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं है। थोड़ा आप इसको इस नजरिए में भी देखिए कि कुछ समय जो फिल्में आती थीं ना, तो सिर्फ फिल्में आती थीं। अब इतना कुछ है। मल्टीप्लेक्स आ गए। फिल्मों का बनना बढ़ गया, हजअ भी आ गया। तो किसी भी फिल्म का अकेले खड़े रहना रह पाना मुश्किल हो गया है। दूसरा समय बदला है और दर्शक भी बदला है। फिल्म में आपके पास पहुंचने का तरीका बदल गया है। अब सिनेमा हॉल ही इकलौता माध्यम नहीं रह गया है।

